सुन मेरी मां

जय दादी जी की
तर्ज श्याम बाबा श्याम बाबा तेरे पास आया हूं

सुन मेरी मांॅ,सुन दादी मांॅनीमचधाम आई हूं
झोली म थारो श्रृंगार लाई हूं_२
सुन मेरी मांॅ सुन दादी मांनीमच धाम आई हूं
झोली म थारो श्रृंगार लाई हूं _२

अमर सुहागन दादी थारो
आज सोलह श्रंगार सजाऊं
माथे ऊपर लाल बिंदिया
कुमकुम भरकर मांग सजाऊं
काजल मेरी मांॅ_२ नजर उतारन लाई हूं
झोली में थारो श्रंगार लाई हूं

मोती जड़ क जूड़ो बनाऊं
और बोरलो तने पेहराऊं
लाल गुलाब की कली स दादी
जूड़ा न म और सजाऊं
नथ मेरी मांॅ_२ हीरा जड़ी गढ़ाई हूं
झोली में थारो श्रंगार लाई हूं_२

काना म मानिक को कुंडल
रतन जड़ित म चीक पहनाऊं
चूड़लो हाथ म रंग-बिरंगो
सतरंगों घाघरो पहनाऊं
चुनर मेरी मांॅ_२ हाथां स सजाई हूं
झोली म थारो श्रंगार लाई हूं _२

कमर तागड़ी जे तू पेहरे
सोनूदेख तुझे हर्षाए
पायल तेरी रुनझुन बाजे
कोमल तुझपे वारी जाए
पोली मेरी मांॅ_२ घुंघरा वाली लाई हूं
झोली म थारो श्रंगार लाई हूं _२
सुन मेरी मांॅ सुन दादी मांॅ नीमच धाम आई हूं
झोली म थारो श्रंगार लाई हूं_२!!

(रचना स्मिता शर्मा सोनू आसनसोल)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35097/title/sun-meri-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |